

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय



## नव नियुक्त वैज्ञानिकों के लिए प्रवेश कार्यक्रम, 21-30 सितंबर, 2026 | सीएसआईआर-एचआरडीसी परिसर, गाज़ियाबाद

प्रविष्टि तिथि: 30 SEP 2026 5:22PM by PIB Delhi

वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR)के नव नियुक्त वैज्ञानिकों के लिए दस दिवसीय प्रवेश कार्यक्रम का सफल आयोजन 21-30 सितंबर, 2026 को सीएसआईआर-मानव संसाधन विकास केंद्र (CSIR-HRDC) में किया गया। इस कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न सीएसआईआर प्रयोगशालाओं से 38 युवा वैज्ञानिक एकत्र हुए, जिन्हें सीखने, सहयोग और व्यावसायिक विकास के लिए एक गतिशील मंच प्रदान किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत 21 सितंबर, 2026 को एक प्रेरणादायक उद्घाटन सत्र से हुई, जिसने नवाचार, वैज्ञानिक शिक्षा और राष्ट्र-निर्माण की समृद्ध यात्रा की शुरुआत को चिह्नित किया। उद्घाटन समारोह का औपचारिक संचालन सीएसआईआर-एचआरडीसी के प्रमुख डॉ. टी. एस. राणा, सीएसआईआर-एचआरडीसी की वैज्ञानिक-एफ डॉ. शोभा चौधरी और सीएसआईआर-एचआरडीसी की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी श्रीमती प्रीति चौधरी द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जो ज्ञान के प्रकाश और सभी प्रतिभागियों के लिए एक गतिशील और समृद्ध शिक्षण अनुभव सुनिश्चित करने का प्रतीक था।

प्रवेश कार्यक्रम को सीएसआईआर के वैज्ञानिक, प्रशासनिक और सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र की व्यापक समझ प्रदान करने और प्रतिभागियों को प्रभावी वैज्ञानिक नेतृत्व के लिए आवश्यक तकनीकी विशेषज्ञता और व्यवहारिक योग्यताओं से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। पूरे कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों को सीएसआईआर और अन्य संगठनों जैसे डॉ. विभा मल्होत्रा साहनी, डॉ. मनोज सेमवाल, डॉ. ज्योति यादव, डॉ. रामा स्वामी बंसल, डॉ. रामा स्वामी बंसल, डॉ. अनिरबन पाल, डॉ. देबाशीस बंद्योपाध्याय, डॉ. रजनीश कुमार, आईआईटी, बीएचयू जैसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और निदेशालय प्रमुखों द्वारा दिए गए विशेषज्ञ व्याख्यानों, हाथों-हाथ सीखने के सत्रों और इंटरैक्टिव चर्चाओं से लाभ मिला।

कार्यक्रम ने विभिन्न सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के वैज्ञानिकों के बीच नेटवर्किंग और सहयोग के लिए मूल्यवान अवसर भी प्रदान किए। कार्यक्रम ने तकनीकी शिक्षा और व्यवहारिक विकास के मिश्रण के माध्यम से व्यावसायिक विकास के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया और प्रतिभागियों को अपनी पेशेवर योग्यताओं के साथ-साथ अपने अंतरवैयक्तिक कौशल को मजबूत करने में सक्षम बनाया, जिससे वे बहु-अनुशासनात्मक वैज्ञानिक वातावरण में प्रभावी ढंग से योगदान देने के लिए तैयार हो सकें। प्रतिभागियों ने रचनात्मक समस्या-समाधान और निर्णय-लेने की क्षमताओं को बढ़ाने, नेतृत्व प्रभावशीलता को मजबूत करने और नवाचार-संचालित वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने जैसे प्रमुख विषयों की खोज की।

**ड्रग डिस्कवरी और विकास में एआई: अनुप्रयोग और चुनौतियाँ, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और वाणिज्यिकीकरण** पर आयोजित तकनीकी सत्रों ने वैज्ञानिक नवाचारों को सामाजिक और औद्योगिक प्रभाव में परिवर्तित करने के बारे में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की।

सीखने के अनुभव में एक विशिष्ट आयाम जोड़ते हुए, यह कार्यक्रम पारंपरिक कक्षा निर्देश से परे गया और सक्रिय भागीदारी, सहयोगात्मक शिक्षा और पेशेवर जुड़ाव को बढ़ावा देने वाले एक सहभागी, अनुभवात्मक और गतिविधि-आधारित सत्रों के एक सुविचारित मिश्रण के साथ आयोजित हुआ।

एक प्रमुख आकर्षण प्रतिभागियों की राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर (NASC), नई दिल्ली में 85वें सीएसआईआर स्थापना दिवस समारोहों में भागीदारी थी, जिसने युवा वैज्ञानिकों को व्यापक सीएसआईआर पारिस्थितिकी तंत्र और वैज्ञानिक उत्कृष्टता की इसकी समृद्ध विरासत का अनुभव करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। प्रतिष्ठित हस्तियों, विशिष्ट वैज्ञानिकों और अग्रणी वैज्ञानिक और अनुसंधान संगठनों के पेशेवरों के साथ उनकी बातचीत ने वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और संस्थागत नेतृत्व के विविध आयामों के बारे में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की। इस अनुभव ने न केवल सीएसआईआर के बहु-अनुशासनात्मक अनुसंधान परिदृश्य की उनकी समझ को समृद्ध किया, बल्कि राष्ट्र के लिए वैज्ञानिक उत्कृष्टता, नवाचार और प्रभावशाली अनुसंधान को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका को परिकल्पित करने के लिए भी प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समापन समारोह 30 सितंबर, 2026 को आयोजित किया गया और इसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. मनोज कुमार धर, निदेशक, AcSIR ने शिरकत की। उन्होंने ऑनलाइन सत्र में भाग लिया। नव नियुक्त वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए, उन्होंने उन्हें नवाचार और प्रभावशाली वैज्ञानिक अनुसंधान की ओर सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सीएसआईआर प्रयोगशालाओं और वैज्ञानिक और नवाचार अनुसंधान अकादमी के बीच मजबूत सहयोग के महत्व पर बल दिया, जिसमें अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने की साझा दृष्टि भी शामिल थी।

कार्यक्रम का सुचारू समन्वय डॉ. शोभा चौधरी, वैज्ञानिक-एफ और श्रीमती प्रीति चौधरी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी द्वारा किया गया। इनके समर्पित प्रयासों ने सभी प्रतिभागियों के लिए एक जीवंत, आकर्षक और समृद्ध शिक्षण अनुभव सुनिश्चित किया।

प्रवेश कार्यक्रम के सफल समापन से सीएसआईआर की क्षमता निर्माण, नेतृत्व विकास और सहयोगात्मक अनुसंधान संस्कृति के माध्यम से वैज्ञानिकों की अगली पीढ़ी को पोषित करने और राष्ट्र के वैज्ञानिक और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की निरंतर प्रतिबद्धता का पता चलता है।





\*\*\*

## पीके /केसी/ आरटी/ एमएम

(रिलीज़ आईडी: 2317315) आगंतुक पटल : 50  
इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English